वर्ष 10 अंक 12
दिसम्बर 2018

भारतीय वानिकी अनुसंधान
एवं शिक्षा परिषद्

वानिकी समाचार

वन संवर्धन संग्रहालय की दीर्घा का उद्घाटन

श्री सिद्धांत दास, महानिदेशक वन एवं विशेष सचिव; पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 17 दिसम्बर 2018 को वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के पुनरूद्धारित वन संवर्धन संग्रहालय की दीर्घा का उद्घाटन किया।

अनुक्रमणिका

पृ.सं.
01 वन संवर्धन संग्रहालय की दीर्घा का उद्घाटन
01 महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष
02 बाँस उत्सव/किसान मेला
02 कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठकें
03 प्रशिक्षण कार्यक्रम
05 जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम
05 दूरदर्शन के माध्यम से वानिकी को लोकप्रिय बनाना
05 मानव संसाधन समाचार

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष :

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून :

- परियोजना ''उत्तर भारत (हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखण्ड) से हाइमेनोपट्रेन अंड परजीव्याभों की मेजबान रेंज तथा विविधता पर अध्ययन'' के अंतर्गत विभिन्न वानिकी वृक्षों यथा *टेक्टोना ग्रैंडिस, यूकेलिप्टस* प्रजा., *कैसिया फिस्टुला, पौन्गेमिया पिन्नाटा, बौहीनिया वेरीगाटा* तथा *ऐकेशिया लेटीफोलिया* से 10 कीट अंड नमूने एकत्रित किए गए। एकत्रित नमूनों से अंड परजीव्याभों (ट्राइकोग्रामैटिडी, स्केलिओनिडी, यूलोफिड़ी तथा मायमैरिडी) के लगभग 50 प्रतिरूप प्राप्त किए गए। परजीव्याभों को *एफिलिनोएडिया लॉगिक्लेवाटा, ओलिगोसिटा नोविसैंग्विनी, ट्रोइकोग्रामा एग्रीई, सिरोपिलस* प्रजा. तथा *निओट्राइकोपोरोइड्स विरिडिमेक्यूलेट्स* के रूप में चिन्हित किया गया।
- दिसम्बर 2018 के दौरान, लैंसडाउन वन प्रभाग, जिला पौढ़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड में एक सर्वेक्षण किया गया। सोननंदी वन्यजीव अभयारण्य के पास 3सी/सी2ए नम शिवालिक साल वन तथा 5बी/सी2 उत्तरी शुष्क मिश्रित पर्णपाती वनों के 5 टांजेक्टों में तितलियों पर नमूने लिए गए। अब तक नमूना ली गई 183 प्रजातियों की सूची में, नमूना ली गई 31 प्रजातियों से 2 नवीन प्रजातियों को जोड़ा गया। विभिन्न वन प्रकारों के अंतर्गत तितलियों की प्रजातियों पर आकड़ा–भंडार में खाद्य पादपों को संकलित कर अद्यतन किया गया। सर्वेक्षण के दौरान पकड़ी गई तितलियों के नवीन प्रतिरूपों को स्ट्रेच्ड, परिरक्षित तथा चिन्हित भी किया गया। परियोजना ''उत्तराखण्ड में विभिन्न वन प्रकारों/उप–प्रकारों से संबद्ध तितलियां'' के अंतर्गत झिलमिल झील संरक्षण रिजर्व, हरिद्वार के वन प्रकारों हेतु भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित मानचित्र सृजित किए गए।
- सर्वेक्षणों के दौरान, बन ओक वृक्षों से एकत्रित लेपीडोप्टेरा की 5 प्रजातियों के लार्वा को जीवन इतिहास अध्ययनों हेतु पालन किया गया, जिनसे शलभ की 2 प्रजातियों का उद्गम हुआ जबकि शेष प्यूपा एवं लार्वा चरणों में है। सिरमबीसिड तना छेदक, *जायलोट्रेकस बैसिफ्सूलीजिनोसस* के जीवन–चक्र का

अध्ययन प्रयोगशाला तथा क्षेत्र में रखे कुन्दों में किया जा रहा है। परियोजना ''पश्चिम हिमालय ओक नाशी–कीट तथा उनका नियंत्रण'' के अंतर्गत पश्चिम हिमालय ओक पर ग्रसित कोलियोप्टेरा की 12 प्रजातियों की सूचना, कोलियोप्टेरा पर आकड़ा–भंडार में संकलित की गई।

- भृंग की 828 प्रजातियों का डिजीटलीकरण किया गया तथा इन प्रजातियों के लगभग 1800 छायाचित्रों को संपादित तथा संग्रहीत किया गया। परियोजना ''वन अनुसंधान संस्थान के राष्ट्रीय वन कीट संग्रह का डिजीटलीकरण एवं संवर्धन, चरण II (सूक्ष्म कीट)'' के अंतर्गत आंकड़ा–भंडार में आंकड़े रखने वाली संपादित प्रजातियों हेतु आंकड़ा–भंडार को अद्यतन किया गया।

बाँस उत्सव/किसान मेला :

संस्थान	प्रतिभाग/आयोजित	समयावधि	स्थान
का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरू	केरल बाँस उत्सव – 2018	7–11 दिसम्बर 2018	एर्नाकुलम, केरल
हि.व.अ.सं., शिमला	किसान गोष्ठी	7 दिसम्बर 2018	नूरपुर, कांगड़ा, हि.प्र

नूरपुर, कांगड़ा हि.प्र. में किसान गोष्ठी

कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठकें

क्र.सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून		
1.	रेड्+ हिमालय परियोजना	27 दिसम्बर 2018	–
	वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर		
2.	''वानिकी में बायो–इनोक्यूलेंट का उपयोग'' पर परामर्शी बैठक	28 दिसम्बर 2018	देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से विषय–विशेषज्ञ, राज्य वन विभागों से कार्मिक, काष्ठ आधारित उद्योग, तमिलनाडु राज्य के विभिन्न भागों से पौधशाला विकासक तथा प्रगतिशील कृषक

	काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू		
3.	14वां राष्ट्रीय वन संवर्धन सम्मेलन	03 दिसम्बर 2018	समग्र भारत से वन विभाग तथा हितधारक जैसे शिक्षाविद्, छात्र, उद्योगपति, कृषक आदि
	शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर		
4.	संरक्षण हेतु आनुवंशिक विकल्प तथा वन पारि–तंत्रों को उत्पादक एवं जलवायु प्रतिरोधक बनाना	27 दिसम्बर 2018	वैज्ञानिक, तकनीकी कार्मिक एवं अनुसंधान अध्येता
	हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला		
5.	खनित क्षेत्रों तथा बंजर भूमियों का पारि–पुनरूद्धार	12 से 14 दिसम्बर 2018	वार्ड सदस्य, महिला मण्डल, ईको टास्क फोर्स, भा.ति.सी.पु. से माली, छात्र तथा शिक्षक, गैर–सरकारी संगठन, मीडिया कर्मी, पंचायत सचिव तथा खंड विकास अधिकारी कार्यालय के कार्मिक
6.	जीविका समर्थन तथा आर्थिक वृद्धि के लिए वन एवं वन उत्पादों का प्रबंधन	28 दिसम्बर 2018	वैज्ञानिक, अधिकारी, अनुसंधान एवं तकनीकी सहायता कर्मी

प्रशिक्षण कार्यक्रम :

क्र.सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर		
1.	जैव–पूर्वेक्षण एवं जैवचौर्य	5 से 7 दिसम्बर 2018	सरकारी विभाग यथा राजस्व, अकादमिक, पुलिस, बैंक, अग्निशमन सेवा,कृषि, आदि द्रविड़ तथा जनजातिय कल्याण, निर्माण कार्य, सेन्ट्रल पब्लिक कार्य, पशुपालन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस, हिन्दु धार्मिक इत्यादि

व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर में जैव–पूर्वेक्षण एवं जैवचोर्य पर प्रशिक्षण

2.	वन आनुवंशिकी संसाधनों का लक्षण–वर्णन तथा इनका संरक्षण	18 से 19 दिसम्बर 2018	रांची से वन अधिकारी, कोयम्बटूर के विभिन्न महाविद्यालयों से जीवविज्ञान, जैवप्रौद्योगिकी तथा जैव–रसायन विज्ञान के स्नातक एवं परास्नातक छात्र
3.	कनिष्ठ रेंजर्स–छात्रों को प्रकृति से जोड़ना	26–27 दिसम्बर 2018	केन्द्रीय विद्यायल के छात्र
4.	इरूलर जनजातियों को ट्री रिच बायोबूस्टर के विकास पर क्षमता निर्माण	27 दिसम्बर 2018	इरूलर जनजातियों के महिला स्वयं सहायता समूह सदस्य

कोयम्बटूर में कनिष्ठ रेजर्स–छात्रों को प्रकृति से जोड़ने पर प्रशिक्षण

ग्राम सिंगापथ्थी, कोयम्बटूर में इरूलर जनजातियों का ट्री रिच बायोबूस्टर के विकास पर क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण

काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू

5.	चन्दन काष्ठ–बीज हस्तन, पौधशाला एवं रोपण प्रौद्योगिकी	10–14 दिसम्बर 2018	गैर सरकारी संगठन, वन रक्षक एवं कृषक
6.	काष्ठ रक्षण	17–21 दिसम्बर 2018	नौसेना गोदीवाड़ा, मुम्बई

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

7.	हरित कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत अपशिष्ट प्रबंधन	11 दिसम्बर 2018 – 4 फरवरी 2019	विज्ञान में स्नातक युवा
8.	भंगुर मरूस्थल पारितंत्र के संवहनीय विकास हेतु एकीकृत दृष्टिकोण	17–21 दिसम्बर 2018	राज्य वन विभाग के अधिकारी

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

9.	बाँस उपचार एवं गृह निर्माण	7,8 तथा 11 दिसम्बर 2018	पश्चिम त्रिपुरा जिले के बरकथल क्षेत्र से ग्रामीण
10.	लाख कृषि एवं इसका प्रसंस्करण	11–12 दिसम्बर 2018	अरूणाचल प्रदेश के विभिन्न जिलों से ग्रामीण

11.	बाँस प्रवर्धन, पौधशाला एवं रोपणी प्रबंधन, लाख कृषि एवं प्रसंस्करण, अगर काष्ठ कृषि एवं भौगोलिक अवस्थिति प्रणाली का हस्तन	20–21 दिसम्बर 2018	बरपेटा, असम के सामाजिक वानिकी प्रभाग के अग्रपंक्ति कार्मिक
	वन उत्पादकता संस्थान, रांची		
12.	बाँस प्रवर्धन एवं पौधशाला प्रबंधन, बाँस का उपयोग तथा मूल्यर्धन एवं बाँस व रोपण तकनीकियां	03–04 तथा 7 दिसम्बर 2018	महिलांग रांची में प्रशिक्षु वन रक्षक, राज्य वन विभाग, झारखंड
	वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद		
13.	आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजाति *सेपिंडस ट्राइफोलिएटस* के एकीकृत कीट प्रबंधन का विकास	26–27 दिसम्बर 2018	कृषक

जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

- व.व.अ.सं., जोरहाट की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों बाँस प्रवर्धन, पौधशाला प्रबंधन तथा बाँस परिरक्षण तकनीकियों, लाख कृषि आदि पर प्रशिक्षण 8 व 10 दिसम्बर 2018 को आयोजित हुआ। बोरहोल्ला गोराजन माध्यमिक विद्यालय, जोरहाट तथा बागवानी महाविद्यालय, असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।
- व.उ.सं., रांची में 3 तथा 5 दिसम्बर 2018 को पर्यावरणीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। सेक्रेड मिशन उच्च विद्यालय नागरी, रांची तथा केन्द्रीय विद्यालय, धुरवा, रांची ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

दूरदर्शन के माध्यम से वानिकी को लोकप्रिय बनाना

कार्यक्रम शीर्षक	चैनल	दिनांक
वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
उत्तराखण्ड के औषधीय पादप तथा इनकी कृषि	आकाशवाणी, देहरादून	30 दिसम्बर 2018

मानव संसाधन समाचार

नियुक्ति	**तिथि**
श्री एम.आर.बलोच, भा.व.से., निदेशक, शु.व.अ.सं., जोधपुर	06.12.2018
प्रत्यावासन	**तिथि**
डॉ. सविता, भा.व.से., निदेशक, व.अ.सं., देहरादून	21.12.2018
श्री सुरेन्द्र कुमार, भा.व.से., निदेशक, का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरू	21.12.2018
श्री. एम. श्रीनिवास राव, भा.व.से., व.सं., का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरू	29.12.2018
सेवानिवृत्ति	**तिथि**
श्री प्रमोद कु. कुकरेती, अनुसंधान अधिकारी, वर्ग– I, व.अ.सं., देहरादून	31.12.2018
स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति	**तिथि**
श्री अनिल कुमार ममगाई, वैज्ञानिक –'बी', व.अ.सं., देहरादून	08.12.2018

संरक्षकः
डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक
संपादक मंडलः
श्री विपिन चौधरी, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. (श्रीमती) शामिला कालिया, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग), मानद सम्पादक
श्री रमाकांत मिश्र, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग),सदस्य

प्रत्याख्यान

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में, प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती है।
- यहां प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।